# जन औषधि केंद्रों हेतु ऋण सहायता कार्यक्रम

## प्रिलिम्स के लिये:

**जन औषधि केंद्र, सिडबी, वस्तु एवं सेवा कर, डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना, पीएमबीजेपी योजना**

## मेन्स के लिये:

भारत का फार्मा सेक्टर और मुद्दे, जेनेरिक दवाएँ और इसकी आवश्यकता, भारत में जेनेरिक दवा को बढ़ावा देने के लिये उठाए गए कदम, सरकारी नीतियाँ और हस्तक्षेप, स्वास्थ्य।

**स्रोत: पी.आई.बी.**

हाल ही में केंद्रीय रसायन और उर्वरक तथा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री ने **जन औषधि केंद्रों (Jan Aushadhi Kendras- JAK)** के लिये एक क्रेडिट सहायता कार्यक्रम का उद्घाटन किया, जिसका लक्ष्य पूरे भारत में सस्ती दवाओं तक पहुँच बढ़ाना है।

- कार्यक्रम के एक भाग के रूप में JAK के लिये वित्तीय सहायता और बुनियादी ढाँचे के विकास का समर्थन करने के लिये **भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक** तथा **फार्मास्यूटिकल्स एंड मेडिकल डिवाइसेस ब्यूरो ऑफ इंडिया (PMBI)** के बीच एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किये गए।

## जन औषधि केंद्रों के लिये क्रेडिट सहायता कार्यक्रम क्या है?

- इस कार्यक्रम के तहत भारत सरकार देश भर में जन औषधि केंद्र चलाने वाले संचालकों/उद्यमियों को ऋण/ऋण सहायता प्रदान करेगी।
- क्रेडिट सहायता कार्यक्रम छोटे व्यवसायों को असुरक्षित कार्यशील पूंजी ऋण प्रदान करने के लिये **वस्तु एवं सेवा कर** और भारत के **डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर** दोनों का उपयोग करता है।
  - इस कार्यक्रम के माध्यम से, संचालक अपने जन औषधि केंद्रों की स्थापना और प्रबंधन हेतु प्रतिभूति रहित कार्यशील पूंजी ऋण एवं अवसंरचना के वित्तपोषण तक पहुँच प्राप्त कर सकते हैं।
  - कार्यक्रम का उद्देश्य छोटे उद्यमियों का सशक्तीकरण, सस्ती दवाओं की पहुँच में वृद्धि और भारत में स्वास्थ्य देखभाल पारिस्थितिकी तंत्र को मज़बूत बनाना है।

## जन औषधि केंद्र क्या हैं?

- **परिचय:**
  - जन औषधि केंद्र (JAKs) जनता को सस्ती एवं गुणवत्तापूर्ण दवाएँ उपलब्ध कराने के लिये शुरू की गई एक सरकारी पहल है।
    - ये रसायन और उर्वरक मंत्रालय के औषध विभाग की **प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि परियोजना (PMBJP)** योजना के तहत काम करते हैं।
- **प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि परियोजना:**
  - **जन औषधि योजना**, जिसे सितंबर 2015 में **प्रधानमंत्री जन औषधि योजना (PMJAY)** के रूप में नवीनीकृत किया गया, का उद्देश्य विशेष रूप से निर्धनों तथा वंचितों के लिये किफायती कीमतों पर गुणवत्तापूर्ण दवाएँ उपलब्ध कराना है।
  - नवंबर 2016 में, इस योजना में और सुधार किया गया तथा इसके प्रभाव को मज़बूत करने के लिये इसका नाम बदलकर **PMBJP** कर दिया गया।
  - **PMBJP**, **जन औषधि केंद्रों** के नाम से जाने जाने वाले विशेष आउटलेट के माध्यम से **जेनेरिक दवाएँ** उपलब्ध कराने पर केंद्रित है।
    - ये स्टोर ब्रांडेड दवाओं की तुलना में काफी कम कीमत पर जेनेरिक दवाएँ उपलब्ध कराते हैं, जिससे स्वास्थ्य देखभाल पर आपकी जेब से होने वाला खर्च कम हो जाता है।
    - PMBJP स्टोर्स द्वारा प्रदान की जाने वाली जेनेरिक दवाएँ गुणवत्ता और प्रभावकारिता में महँगी ब्रांडेड दवाओं के समान हैं, जो दवाओं के विवेकपूर्ण उपयोग को बढ़ावा देती हैं।

- **जन औषधि केंद्रों के लाभ:**
  - **कम कीमत पर दवाओं की उपलब्धता:** JAKs ने स्वास्थ्य देखभाल के क्रम में कम कीमत पर दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करते हुए लोगों के अतिरिक्त खर्च को कम किया है।
    - भारतीय नागरिकों ने सामूहिक रूप से जन औषधि केंद्रों से दवाएँ खरीदकर पिछले दशक में 28,000 करोड़ रुपए से अधिक की बचत की है।
  - **दवाओं तक बेहतर पहुँच:** JAK ने वंचित क्षेत्रों में आवश्यक दवाओं को अधिक आसानी से उपलब्ध कराया है।
    - **JAK में प्रतिदिन लगभग 10 से 12 लाख लोग आते हैं।**
  - **तर्कसंगत औषधि के उपयोग को बढ़ावा देना:** JAK दवाओं के उचित उपयोग पर जानकारी और परामर्श प्रदान करता है, जो इसके दुरुपयोग एवं अतिप्रयोग को कम करने में सहायता प्रदान कर सकता है।
- **जन औषधि केंद्रों का विस्तार:**
  - PMBJP का हाल के वर्षों में ही काफी विस्तार हुआ है।

## भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (SIDBI):

- भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (SIDBI) भारत में **सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम** क्षेत्र को बढ़ावा देने, वित्तिपोषण एवं विकास करने वाला प्राथमिक वित्तीय संस्थान है।
- सिडबी की स्थापना **वर्ष 1990** में हुई थी और यह **MSME वित्त कंपनियों को लाइसेंस देने एवं विनियमित करने** के लिये शीर्ष नियामक निकाय है। यह वित्त मंत्रालय के अधिकार क्षेत्र में है, **SIDBI का मुख्यालय लखनऊ** में है और इसके कार्यालय पूरे देश में हैं।
- सिडबी **राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन कार्य योजनाओं** का भी समर्थन करता है और साथ ही ऊर्जा दक्षता, स्वच्छ उत्पादन एवं टिकाऊ वित्तिपोषण जैसी ज़िम्मेदार व्यावसायिक प्रथाओं को बढ़ावा देता है।

## PMBI:

- PMBI एक सरकारी एजेंसी है जो PMBJK के माध्यम से **जेनेरिक दवाओं की आपूर्ति, खरीद एवं विपणन का समन्वय** करती है।
- PMBI फार्मास्युटिकल्स विभाग से संबंधित है और साथ ही PMBJP को लागू करने हेतु ज़िम्मेदार भी है।

## सस्ती स्वास्थ्य सेवा के लिये भारत की अन्य पहल कौन-सी हैं?

- आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना
- राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन
- प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना
- जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम
- राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम
- राष्ट्रीय आरोग्य निधि
- उपचार के लिये सस्ती दवाएँ और विश्वसनीय प्रत्यारोपण हेतु दीनदयाल आउटलेट

## UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न

### ??????:

**प्रश्न 1.** भैषजिक कंपनियों के द्वारा आयुर्विज्ञान के पारंपरिक ज्ञान को पेटेंट कराने से भारत सरकार किस प्रकार रक्षा कर रही है? **(2019)**

**प्रश्न 2.** सार्वजनिक स्वास्थ्य संरक्षण प्रदान करने में सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली की अपनी परिसीमाएँ हैं। क्या आपके विचार में खाईं को पाटने में निजी क्षेत्रक सहायक हो सकता है? आप अन्य कौन-से व्यवहार्य विकल्प सुझाएँगे? **(2015)**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/credit-assistance-program-for-jan-aushadhi-kendras